



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—खण्ड-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

*CH
12/3/92*

म. 460]

मई विल्सनी, शुक्रवार, दिसम्बर 13, 1991/अग्रहायण 22, 1913

No. 460]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 13, 1991/AGRAHAYANA 22, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

आधुनिक संकलन

प्रादेश

मई विल्सनी, 13 दिसम्बर, 1991

सा.का.नि. 736(घ) आ.वस्तु/चीनी—केन्द्रीय सरकार चीनी (नियन्त्रण) प्रादेश, 1966 के खड़ 5 द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के खात्य और भागिक पूर्ति भवानीय (आधुनिक विभाग) के आदेश सं., सा.का.नि. 679(घ) आ.वस्तु/चीनी, तारीख 31 जूलाई, 1990 को अधिकारात्मक करते हुए यह निरेण करती है कि कोई भी उत्पादक :-

(1) किसी मान्यताप्राप्त व्यवहारी को चीनी का विक्रय करते, ऐसे विक्रय को अनुमति करते वाले किसी प्रादेश के अन्तर्गत भाले वाली चीनी के उपयोग रहने पर से इकार नहीं करेगा; या

(2) मासिक आदेश द्वारा विक्रय के लिए उसी दी गई चीनी के मासिक कोटा से कम भा उसमें विनिर्दिष्ट अर्थात् के भीतर, विक्रय और प्रेषण नहीं करेगा; या

(3) विक्रय के लिए उसी दी गई चीनी का मासिक कोटा के 50% से कम का उस मास की विस्तारित पद्धति अधिकारों में प्रस्तुत में विक्रय और प्रेषण नहीं करेगा, अर्थात् :-

(क) 1 से 15 तारीख तक

(ख) 16 से मास के अन्त तक

(1)

(4) किसी मान्यताप्राप्त व्यवहारी को उपर्युक्त मध्य (3) में उल्लिखित पाकिश अवधियों में से किसी में 10,000 किलोटन से अधिक औनी प्रेषित नहीं करेगा और उत्पादक सुसंगत पद्धताएँ की अवधि के अवसान की तारीख से सात दिन के भीतर उक्त पद्धताएँ की अवधियों के भीतर किए गए, प्रेषणों की विशिष्टियाँ इस आदेश के साथ संलग्न उपावन्ध में ऐसे प्राधिकारियों को रिपोर्ट करेंगे जो वह राज्य सरकार जिसे औनी का प्रेषण किया गया और उस राज्य की सरकार जिसमें उत्पादक का औनी कारखाना स्थित है, इस बाबत विनिर्विष्ट करें:—

परम्परा इस आदेश की कोई वात—

(क) सरकारी खाते, या

(ख) राज्य सरकार के नाम निर्देशिती को या उचित भूत्य की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को, या

(ग) भारतीय आदेश निगम को,

किसी उत्पादक द्वारा किए गए औनी के वित्रण या प्रेषण को साझा नहीं होगी।

(2) यह आदेश तकाल प्रभाव से प्रवृत्त होगा।

उपावन्ध

[मध्य (4) दिविष्ट]

औनी (नियंत्रण) आदेश, 1966 के खंड 5 के अधीन खुले बाजार में विक्रय के लिए वी गई औनी के प्रेषणों से संबंधित पद्धताएँ की विवरणी।

औनी कारखाने का नाम

प्रेषण की विशिष्टियाँ

पद्धताएँ की अवधि

क्रम सं.	रिलीज आदेश सं. और तारीख	प्रेषण तारीख	केता का नाम प्रीरपता	केता औनी अवधारी के अनुशासन की विशिष्टियाँ	प्रेषित मात्रा ; आई.एम. (किलोटन) एस.प्रेड	प्रति किलोटन दर (र.) एस.प्रेड	गस्त्य स्थान का नाम (रेल द्वारा प्रेषणों की कारखाना द्वारा केंद्रीय उत्पाद दण्ड में रेलवे स्टेशन) कीमत शुल्क		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

[सं. 1-16/88-एस.पी.वाई. (री.-2)]

एस.के. विपाठी, मंत्रक अधिकारी

MINISTRY OF FOOD

ORDER

New Delhi, the 13th December, 1991

G.S.R. 736(E)/ESS. Com./Sugar.—In exercise of the powers conferred by clause 5 of the Sugar (Control) Order, 1966 and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Food & Civil Supplies (Department of Food) No. G.S.R. 679(E)ESS. Com./Sugar dated the 31st July, 1990, the Central Government hereby directs that no producer shall—

- (i) Subject to the availability of sugar covered by an Order permitting such sale, refuse to sell sugar to a recognised dealer; or
- (ii) Sell and despatch less than monthly quota of sugar released to him for sale by the monthly order, within a period specified therein; or
- (iii) Sell and despatch less than 50% of their monthly quota of sugar released to him for sale, in each of the following fortnight periods of a month, namely :
 - (a) 1st to the 15th,
 - (b) 16th to the end of the month,